साप्ताहिक न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

महत्वपूर्ण एवं खास

बालको की पहल से भटगांव में जिले का पहला डिजिटल स्मार्ट क्लास प्रारंभ

बालकोनगर,(**आरएनएस**)। भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) के सामुदायिक विकास कार्यक्रम की 'दिशा परियोजना' के अंतर्गत कोरबा जिले के प्रथम डिजिटल स्मार्ट क्लास की शुरूआत ग्राम भटगांव में हुई। कोरबा सांसद डॉ. बंशीलाल महतो ने शासकीय प्राथमिक स्कूल में स्मार्ट क्लास का उद्घाटन किया। इसके साथ ही 'परियोजना जलग्राम' के अंतर्गत डॉ. महतो ने भटगांव में नवनिर्मित चेक डेम, दो नवनिर्मित तालाबों तथा दो नवीनीकृत तालाबों का लोकार्पण किया। कार्यक्रम में बालको की उन्नत कृषि प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत किसानों को स्प्रिंकलर, दलहन खेती प्रोत्साहन के लिए उच्च गुणवत्ता के बीज और खाद वितरित किए गए। कार्यक्रम की अध्यक्षता बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक विकास शर्मा ने की। कार्यक्रम भटगांव के प्राथमिक स्कूल परिसर में आयोजित हुआ। डॉ. महतो ने बालको की परियोजनाओं की प्रशंसा करते हुए कहा कि बालको के निर्माण कार्यों से भटगांव के किसानों को कृषि जल की उपलब्धता सुनिश्चित हुई है। वे अपने खेतों में खूब मेहनत करें और सब्जियों तथा गेहूं एवं दलहन की पैदावार से समृद्ध बनें। डॉ. महतो ने जिले के पहले डिजिटल स्मार्ट क्लास के संचालन की दिशा में बालको के कार्यों को उत्कृष्ट बताया। उन्होंने नागरिकों के कल्याण के लिए सरकार संचालित अनेक योजनाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि ग्राम चुईया की सरपंच अमृता कंवर और सोनगुढ़ा सरपंच कृष्णा बाई कंवर ने निर्माण कार्यों के लिए बालको को साधुवाद दिया। बालको के कंपनी संवाद एवं सामुदायिक विकास प्रमुख आशीष रंजन बताया कि बालको की ओर से किसानों को भू-बाड़बंदी, गेहूं की खेती तथा एस.आर.आई. कृषि पद्धति अपनाने की दिशा में प्रोत्साहित किया गया है। बालको की जलग्राम परियोजना से 165 किसानों को लाभ होगा। 132 एकड़ भूमि सिंचित होगी। ग्राम भटगांव में इस वर्ष पहली बार किसान गेहूं की फसल ले रहे हैं। रंजन ने यह भी बताया कि बालको-नाबार्ड की वाटरशेड परियोजना से क्षेत्र के लोगों को काफी लाभ हुआ है।गांव की मूलभूत सुविधाओं में बढ़ोत्तरी हुई है। कार्यक्रम में भटगांव शाला प्रबंध समिति के अध्यक्ष रामायण सिंह कंवर के अलावा महेंद्र सिंह कंवर, महंत सिंह राठिया, बालको क्षेत्र के पार्षद लुकेश्वर चौहान, जन प्रतिनिधि आलोक सिंह, शिव बालक सिंह तोमर के अलावा बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद थे।

हाईस्कूल परीक्षा के पहले दिन उड़नदस्ता दलों ने किया 29 परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण

राजनांदगांव,(**आरएनएस**)। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल रायपुर द्वारा आयोजित हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी परीक्षा 2018 के तहत कक्षा दसवीं की बोर्ड परीक्षा के पहला दिन आज 5 फरवरी 2018 को गणित विषय का प्रश्न पत्र के अंतर्गत जिला में गठित उड़नदस्ता दल ने लगभग 29 परीक्षा केन्द्रों में दबिश दी। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल रायपुर के अलावा कलेक्टर भीम सिंह के निर्देशानुसार जिला एवं विकासखंड स्तरीय उड़नदस्ता दल का गठन किया गया है। जिला स्तरीय उड़नदस्ता दल क्रमांक 1 के प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी एस.के. भारद्वाज के दल द्वारा शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला तुमड़ीबोड़, टप्पा, चिचोला एवं छुरिया का निरीक्षण किया गया। दल क्रमांक 2 के प्रभारी सहायक आयुक्त आदिवासी विकास तारकेश्वर देवांगन के दल द्वारा शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला कोहका, एल.बी.नगर, रामाटोला, अण्डी, बधियाटोला, रेंगाकठेरा एवं भोथली का निरीक्षण किया गया। इसी तरह दल क्रमांक 3 के प्रभारी उप संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं आर.के. सोनवानी के दल द्वारा शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला सिंघोला, सुरगी, भरेगांव, सोमनी, टेड़ेसरा एवं सर्वेश्वरदास स्कूल का निरीक्षण किया गया। दल क्रमांक 4 के प्रभारी उप संचालक स्थानीय निधि संपरीक्षक गिरीश कुमार पुरे के दल द्वारा शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला जंगलपुर, अर्जुनी, बीजेभाठा, बालक एवं कन्या डोंगरगांव, खुज्जी, किरगी एवं करमतरा का निरीक्षण किया गया। इसी तरह दल क्रमांक 5 के प्रभारी सहायक संचालक कृषि टिकम सिंह ठाकुर के दल द्वारा शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला कन्या एवं बालक चौकी, माहुद मंचादुर एवं आतरगांव का निरीक्षण किया गया। जिला स्तरीय उड़नदस्ता दलों द्वारा आज निरीक्षण किए गये सभी 29 परीक्षा केन्द्रों में किसी भी प्रकार का नकल प्रकरण दर्ज नहीं किया गया। जिला शिक्षा अधिकारी एस.के. भारद्वाज ने बताया कि आज हाईस्कूल परीक्षा के पहला दिन जिले के सभी परीक्षा केन्द्रों में शांतिपूर्ण ढंग से परीक्षा संचालित हुई। माध्यमिक शिक्षा मंडल रायपुर द्वारा 7 मार्च 2018 को 12वीं बोर्ड की पर्यावरण विषय की परीक्षा होगी।

फांसी व जहर सेवन से दो की मौत

धमतरी, (**आरएनएस**)। हरफतराई व मरादेव में दो लोगों ने आत्महत्या कर ली। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार हरफतराई निवासी ज्ञानदास बघेल पिता केशव ने जहर खाकर जान दे दी। बताया गया कि मृतक फरसगांव से त्यौहार मनाने पहुंचा था। आत्महत्या का कारण स्पष्ट नहीं है। इसी तरह दानीटोला निवासी परमानंद पिता अलखराम साहू ने अपने ससुराल मरादेव में पेड़ में गमछा से फांसी लगाकर जान दे दी। सुबह परिजनों ने लटकती हुई लाश देखकर रूद्री पुलिस को खबर दी। दोनों का जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दी गई। पुलिस मर्ग कायम कर जांच में जुटी हुई है।

सेब के जूस में कई फायदे

दुनियाभर में सबे के गुणों में बारे में जानकारी देने के लिए यूरोप के कई देशों में एक दिसंबर को ईट ए रेड एप्पल डे बडे जोरों और शोरों से मनाया जाता है। इसमें समारोह में आपको कई अलगअलग के सेब प्रदर्शित किए जाते हैं। सेब फाइबर वाला फल है इसमें प्रोटीन, और विटामिन की संतुलित मात्रा होती है, लेकिन कैलोरी कम होती है। सेब का फल, रस, छिलका, मुरब्बा, आइसक्रीम, जैम, जैली आदि रूपों में सेवन करना स्वास्थ्य और सौंदर्य के लिए लाभकारी माना जाता है। सेब रोज खाओ और डॉक्टर को दूर भगाओ। सेब पौष्टिक तत्वों से भरा है। ये न केवल बीमारियों से लडने में मदद करता है बल्कि आपके शरीर को भी हैल्दी रखता है। सेब के जूस में कई फायदे होते हैं। इनमें से एक यह भी है कि ये शरीर में कोलेस्टोल के स्तर को सामान्य बनाये रखने में मदद करता है। अगर शरीर में कोलेस्ट्रोल की मात्रा बढ जाए तो इससे हृदय संबंधी कई रोग हो सकते हैं, इसलिए आप सेब अथवा इसके जूस के नियमित सेवन से स्वंय को इस बीमारी से दूर रख सकते हैं। सेब में फाइबर, जो शरीर में पानी बनाए रखने की बहुत अधिक क्षमता रखता है। अतः सेब खाने से पेट भरा सा लगता है और अनावश्यक भोजन की इच्छा नहीं होती है। डाइटिंग करने वालों के लिए सेब एक उपयोगी फल है। सेब का जूस कैंसर और ट्यूमर से बचाने में बेहद उपयोगी होता है। खासतौर पर फेफडों के कैंसर से बचाने में सेब के जूस का कोई तोड नहीं। ट्यूमर कोशिकाओं को रोकने में फ्लेवोनॉयड और फेनॉलिक एसिड को बेहद कारगर माना गया है। यह दोनों ही सेब में काफी प्रचुर मात्रा में मिल जाते हैं। सेब के जूस में विटामिन ए पर्याप्त मात्रा में होता है। यह विटामिन आंखों की रोशनी बढाने में उपयोगी होता है। इसके साथ ही यह आंखों को कई संभावित बीमारियों से बचाता है। सेब स्मरण शक्ति की दुर्बलता, बेहोशी तथा चिड़चिड़ापन अर्थात् मस्तिष्क के रोगों को दूर करने की अचूक औषधि माना गया है। मस्तिष्क व दिल की कमजोरी और घबराहट दूर करने में सेब अचूक इलाज है।

दिनभर थकान लगे तो समझें शरीर में शुगर लेवल ज्यादा है

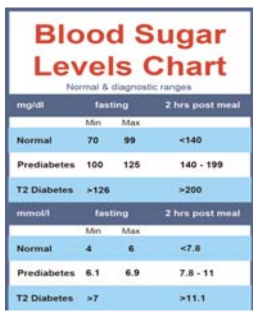

अगर आप चीनी खाने के आदी हैं तो आपको दिन खत्म होने तक कुछ मीठा खाने की इच्छा होती है। यह चीनी के नशे का एक सामान्य लक्षण है। कार्डियॉलजिस्ट डॉ. अनिल श्रीवास्तव कहते हैं कि अगर आपको दिन भर थकान महसूस होती है तो यह इस बात का सबसे बड़ा संकेत है कि आप ज्यादा मात्रा में चीनी खा रहे हैं। यह डायट आपको बुरी तरह काबू में कर सकती है और इसके कई नुकसान भी हैं.. टेस्ट बड्स का कमजोर होना ज्यादा चीनी खाने से टेस्ट बड्स मर जाते हैं। समय के साथ चीनी टेस्ट बड को सुन्न कर देती है। इसलिए मीठे स्वाद के लिए उन्हें ज्यादा चीनी खाने की इच्छा होती है। वजन बढ़ना चीनी में फाइबर और प्रोटीन नहीं होता, केवल कैलरीज होती है। इसके कारण यह शरीर में ज्यादा इंसुलिन स्रावित करता है। इंसुलिन एक तरह का हॉर्मोन है, जो वजन बढ़ाने के लिए जिम्मेदार होता है। दिमाग शांत न होना जब आप चीनी खाते हैं तो ब्लड शुगर जल्दी बढ़ता है। बुरे ब्लड शुगर से कॉग्निशन का खतरा होता है। इससे दिमाग खाना खाने के बाद भी शांत नहीं हो पाता है। हमेशा सर्दी और फ्लू होना ज्यादा बार बीमार पड़ना इस बात का संकेत है कि आपको चीनी के सेवन की मात्रा घटानी चाहिए। वास्तव में यह आपकी इम्यूनिटी (प्रतिरक्षा) को कमजोर बनाती है और बीमारियों से लड़ने की शरीर की क्षमता को घटाती है। त्वचा से संबंधित समस्याएं चीनी के कारण शरीर में सूजन बढ़ जाती है और त्वचा से संबंधित समस्याएं भी बढ़ती हैं। इसके कारण रोसेसा, एग्जिमा, मुंहासे, तैलीयता और शुष्कता आदि समस्याएं होती हैं। चीनी की मात्रा कम करने से इन समस्याओं से छुटकारा मिलता है। चीनी की ज्यादा मात्रा खाने के कारण ये सभी समस्याएं प्रमुख रूप से होती हैं।

गुजरात में पंचायती राज व्यवस्था का अध्ययन करेंगे छत्तीसगढ़ के 120 सरपंच

रायपुर, (**आरएनएस**)। राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के तहत छत्तीसगढ़ के 120 सरपंच अलग-अलग चरणों में गुजरात राज्य के पंचायती राज व्यवस्था का अध्ययन करेंगे। प्रथम चरण में कल 06 मार्च को 45 पंचायत प्रतिनिधियों का दल गुजरात के लिए रवाना होगा। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों ने आज यहां बताया कि पंचायत प्रतिनिधियों का अध्ययन दल अलग-अलग चरणों में पांच दिवसीय अध्ययन भ्रमण के तहत 06 मार्च 2018 से 18 मार्च 2018 तक गुजरात प्रवास पर रहेंगे। पहला चरण 06 मार्च से 10 मार्च तक होगा, जिसमें धमतरी जिले के पंचायत प्रतिनिधि शामिल होंगे। दूसरा चरण 13 मार्च से 18 मार्च तक होगा, जिसमें कबीरधाम(कवर्धा) के पंचायत प्रतिनिधि शामिल होंगे। अधिकारियों ने बताया कि छत्तीसगढ़ के पंचायत प्रतिनिधियों का दल गुजरात राज्य के उत्कृष्ट पंचायतों में 11वीं अनुसूचि में सौंपे गए 29 विषयों पर कार्य, कर्मी एवं निधियों के काम-काज का आंकलन करेंगे। इसके साथ ही पंचायतों में लगाए जा रहे अनिवार्य एवं वैकल्पिक करों की स्थिति, काम-काज संचालन की प्रक्रिया, पंचायतों को राज्य सरकार द्वारा दिए गए स्वायत्ता संबंधि अधिकार एवं कर्तव्यों का विशेष तौर पर जानकारी प्राप्त करेंगे।

मरीजों के लिए स्वास्थ्य विभाग ने दी पालकी

रुद्रप्रयाग, (**आरएनएस**)। रुद्रप्रयाग जिले के दूरस्थ गांवों में ग्रामीणों को बेहतर स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराए जाने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने ऐसे गांवों में 24 पालकी भेजी हैं, ताकि आकस्मिक स्थित या मुसीबत में मरीजों को नजदीकी अस्पताल तक पहुंचाया जा सके। सीएमओ डॉ. सरोज नैथानी की पहल पर विभाग ने तीनों ब्लॉकों के चयनित गांवों में पालकी भेजी हैं। आपदा की दृष्टि से संवेदनशील जिले में आज भी कई गांव में लोग 6 से 10 किमी तक पैदल चल रहे हैं। इनमें जखोली के उरोली, इजरा, धनकुराली, ममणी, ऊखीमठ के तोषी जैसे प्रमुख गांव शामिल हैं। ऐसे गांवों में यदि परिवार में कोई बीमार पड़ जाए, या फिर गर्भवती महिला को अस्पताल तक पहुंचाना हो तो गांव से सड़क तक पहुंचने में उन्हें भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। हालांकि गांवों की इन विकट परिस्थितियों को यहां के ग्रामीण और जनप्रतिनिधि समय समय पर अफसरों को बताते आए हैं किन्तु लोगों की दिक्कतें कम नही हो रही हैं। अब मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ सरोज नैथानी ने ऐसे गांवों का दौरा शुरू कर दिया है, जहां वास्तव में लोग कठिन जीवन जी रहे हैं। हाल ही में तूना गांव में एक मरीज की तबीयत बिगड़ने पर रात में ही गांव पहुंची सीएमओ ने स्वास्थ्य सुविधाओं को सुधारने की पहल भी शुरू की है। उन्होंने मरीजों को मुसीबत के दौरान जल्द से जल्द नजदीकी अस्पतालों तक पहुंचाने के लिए ऊखीमठ ब्लॉक में 6, जखोली ब्लॉक में 6 और अगस्त्यमुनि ब्लॉक के लिए 12 पालकियां भिजवाई हैं। इधर, सीएमओ के प्रयासों की ग्रामीणों द्वारा सराहना की गई। सीएमओ डॉ सरोज नैथानी ने बताया कि पालकी द्वारा बीमार और गर्भवती महिलाओं को जल्द से जल्द अस्पतालों में पहुंचाने में मदद मिलेगी। इसके लिए ग्रामीणों को पालकी संचालन के लिए पारितोषित भी दिया जाएगा। डीएम मंगेश घिल्डियाल का कहना है कि स्वास्थ्य विभाग के प्रयासों से सड़क से दूर वाले गांवों को काफी मदद मिलेगी। विशेषकर दुर्घटना एवं गर्भवती महिलाओं को समय पर ग्रामीण अस्पताल पहुंचा सकते हैं। सड़क विहीन गांवों की दिक्कतें पर प्रशासन भी गंभीर है।

शिक्षा प्रेरकों का सरकार के खिलाफ किया प्रदर्शन

देहरादून ,(**आरएनएस**)। अपनी मांगों के समाधान के शिक्षा प्रेरक लगातार आंदोलनरत हैं। अपनी मांगों को लेकर शिक्षा प्रेरकों ने धरना-प्रदर्शन किया। यहां धरना स्थल पर शिक्षा प्रेरक संगठन उत्तराखंड के बैनर तले शिक्षा प्रेरकों ने अपनी मांगों के समाधान के लिए राजधानी में अनिश्चितकालीन धरने को जारी रखते हुए सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया और आगामी प्रोग्राम में ही शिक्षा प्रेरकों को ही रखा जाये। इस अवसर पर संगठन के प्रदेश अध्यक्ष सुनील दत्त त्रिपाठी ने कहा कि शिक्षा प्रेरक साक्षर भारत कार्यक्रम में निरक्षर लोगों को साक्षर करने का कार्य 2010 से लगातार पूर्ण निष्ठा के साथ करते आ रहे है लेकिन जिसके लिए मानदेय दो हजार केन्द्र सरकार एवं एक हजार राज्य सरकार से मिलना तया है जो की समय पर नहीं मिलता है और पिछले जून 2016 से वर्तमान समय तक नहीं मिल पाया है, जिससे उनके समक्ष रोजी रोटी का संकट पैदा हो गया है। वक्ताओं का कहा है कि इस बढती महंगाई में तीन हजार रूपये अल्प मानदेय में कार्य करना बहुत ही मुश्किल हो रहा है और इस मानदेय में बढोत्तरी की नितांत आवश्यकता है। शीघ्र ही कार्यवाही न होने पर विधानसभा, सचिवालय एवं शिक्षा मंत्री के आवास कूच किया जायेगा। वक्ताओं ने कहा कि शिक्षा प्रेरकों का मानदेय सरकार के घोषणा पत्र के अनुसार तीन हजार से बढ़ाकर पन्द्रह हजार किये जाने, अन्यथा की स्थिति में योग्यतानुसार समस्त शिक्षा प्रेरकों को अन्य विभागों में समायोजित किये जाये और 19 माह से रूके हुए मानदेय का तत्काल प्रभाव से भुगतान किये जाने की मांग शामिल है। इन समस्याओं का समाधान शीघ्र ही नहीं किया गया तो सड़कों पर उतरकर जनांदोलन किया जायेगा। सरकार के लिए शिघ्र ही शिक्षा मंत्री अरविन्द पांडेय के आवास का घेराव किया जायेगा। इस अवसर पर अनेक वक्ताओं ने संबोधित किया।

मेडिकल स्टोर्स पर पुलिस का छापा, भारी मात्रा में नशीली दवायें बरामद

रायगढ़,(**आरएनएस**)। पुसौर पुलिस ने सुपा के एक मेडिकल स्टोर्स पर छापा मारकर भारी मात्रा में नशीली दवाये जप्त की थाना प्रभारी पुसौर को मुखबिर से सूचना मिली थी कि सुपा में संचालित मेडिकल स्टोर में बगैर डाक्टर पर्ची के प्रतिबंधित दवाएं बेची जा रही है जिसकी तस्दीक के लिये ए एस आई लखन लाल यादव ने औषधि विभाग एवं क्राईम ब्रांच के साथ सुपा के सुनील मेडिकल स्टोर्स में छापा मरा। संचालक सुनील अग्रवाल की उपस्थित में दुकान की तलाशी ली गई जिसमे पासमो कैप्सुल 233 पत्ता और एक कटा हुआ कुल 5600 कैप्सुल, अल्पजोलम टेबलेट 0.5 ,6 पत्ता एक पत्ता में 80 टेबलेट कुल 520 टेबलेट , एपीएस 0.5 11 पत्ता प्रत्येक पत्ता में 75 गोली कुल 825 गोली ,टासेक्स सिरप 100 की 7 नग ,आर0 कफ सिरप 100 द्वय वाली शीशी में 5 शीशी स्कुप सिरप 100 द्वय वाली शीशी 9 नग जप्त की गयी । मेडिकल स्टोर संचालक सुनील अग्रवाल नशीली दवाएं बेचने के संबंध में दस्तावेज उपलब्ध नही करा सके जिस पर सुनील अग्रवाल को गिरफ्तार कर लिया गया उसके विरुद्ध धारा 21 के तहत कार्यवाही कर रिमाण्ड पर जेल भेजा दिया गया।

जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न

दुर्ग, (**आरएनएस**)। दुर्ग भिलाई सहित जिले के शहरी क्षेत्र में यातायात व्यवस्था को सुदृण करने और सड़क दुर्घटनाओं से हो रही जान-माल की सुरक्षा व बचाव के लिए अनेक उपाय किए जाएंगे। शहरी क्षेत्रों में राष्ट्रीय राजमार्ग पर ब्लैक स्पॉट, चैक-चैराहों पर दुर्घटनाओं को रोकने के लिए कार्य योजना निर्धारित किया गया है। सड़क में अतिक्रमण कर व्यवसाय करने वाले लोगों के विरूद्ध अब सामान जप्ती के साथ ही धारा-18 8 के तहत प्रकरण दर्ज किया जाएगा। ऐसे लोगों को किसी भी प्रकार की रियायत नहीं दी जाएगी। इसके लिए जिले के शहरी क्षेत्रों के सड़कों पर विशेष अभियान चलाया जाकर सामान जप्ती की कार्यवाही की जाएगी। सड़क में किसी भी प्रकार के अवैध कब्जे और अतिक्रमण को हटाने के लिए अभियान चलाया जाएगा। इसी तरह सड़क पर पार्किंग को भी प्रतिबंधित किया गया है। अब ट्रक पार्किंग होने पर उनके चालक का लायसेंस तीन माह के लिए निरस्त किया जाएगा। इसी तरह यातायात में बाधा उत्पन्न कर रहे अवैध होर्डिंग को सात दिन के भीतर अनिवार्य रूप से हटाने की कार्यवाही की जाएगी। इन सेंटरों के माध्यम से रात्रि कालीन के दौरान सड़कों पर गश्त कर यातायात व्यवस्था के सुचारू रूप से संचालन की दिशा में कार्यवाही किया जाएगा। किसी भी प्रकार की आपात स्थिति अथवा सड़क दुर्घटना होने पर पीड़ित व्यक्ति को तत्काल अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। जिले की सड़कों पर दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में स्पीड ब्रेकर बनाने पर भी विचार-विमर्श किया गया।

सामान्य ज्ञान प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु General Knowledge

- मराठा साम्राज्य का संस्थापक कौन था। शिवाजी
- भागवद्गीता योगवशिष्ठ उपनिषद् एवं रामायण का फारसी अनुवाद किसने करवाया। दाराशिकोह
- धरमट का युद्ध किसके बीच हुआ। दाराशिकोह एवं औरंगजेब के मध्य
- औरंगजेब को किस नाम से जाना जाता था। जिंदा पीर
- शिवाजी द्वारा लगाए गए दो कर कौन से थे। सरदेशमुखी
- लम्पट मूर्ख किसे कहा जाता था। जहांदार शाह को
- रंगीला बादशाह किसे कहा जाता था। मुहम्मदशाह को
- ईरान का नेपोलियन किसे कहा गया। नादिरशाह को
- मुगल दरबार में आने वाला प्रथम अंग्रेज कौन था। कैप्टन हॉकिन्स
- गुरुमुखी लिपि का आरंभ किसने किया। गुरु अंगद ने
- खालसा पंथ की स्थापना किसने की। गुरु गोविन्द सिंह ने
- फोर्ट विलियम कॉलेज की स्थापना किसने की। लार्ड वेलेजली ने
- भारत में पहली बार सार्वजनिक निर्माण विभाग की स्थापना किसने की। लार्ड डलहौजी ने
- अजमेर में मेयो कॉलेज की स्थापना किसने की। लॉर्ड मेयो
- भारत के उद्धारक की संज्ञा किसे दी गई। लॉर्ड रिपन
- शिमला समझौता कब हुआ। 1972
- स्वतंत्र भारत के प्रथम गवर्नर जनरल कौन था। लॉर्ड माउंटबेटन
- तात्या टोपे का वास्तविक नाम क्या था। रामचन्द्र पांडुरंग
- इंग्लैंड में भारतीय सुधार समिति की स्थापना किसने की। दादा भाई नौरोजी
- जलियांवाला बाग हत्याकांड में जनरल डायर का सहयोग करने वाले भारतीय का नाम बताओ। हंसराज
- मेवाड़ में भील आंदोलन का नेतृत्व किसने किया। मोतीलाल तेजावत
- साइमन कमीशन को और किस नाम से जाना जाता है। वाइट मैन कमीशन
- प्रथम गोलमेज सम्मेलन कब हुआ। 12 सितम्बर 1930
- तरुण स्त्रीसभा का स्थापना कहां की गई थी। कलकत्ता
- मनुष्य ने सर्वप्रथम किस धातु का प्रयोग किया। तांबा
- भारत का भूगोल नामक पुस्तक किसने लिखी। टॉलमी
- सुभाष चंद्र बोस का सर्वप्रथम नेताजी किसने कहा था। एडोल्फहिटलर
- महात्मा गांधी को अधनंगा फकीर किसने कहा था। चर्चील
- बल्लभ भाई पटेल को सरदार की उपाधि किस आंदोलन के बाद प्रदान की थी। बारदोली सत्याग्रह
- जय हिंद का नारा किसने दिया था। सुभाष चंद्र बोस
- भारत को तलवार के बल पर विजित किया गया है और तलवार के बल ही इसकी रक्षा की जाएगी यह कथन है। लॉर्ड एल्गिन
- जनवरी 1879 में ब्रिटेन की महारानी विक्टोरिया को किस उपाधी से सम्मानित करने के लिए दिल्ली दरबार का आयोजन किया गया। कैसर.ए.हिंद
- चौदहवीं लोकसभा के अध्यक्ष कौन थे। सोमनाथ चटर्जी
- सरिस्का में बाघों के विलुप्त होने की घटना की जांच हेतु केंद्र सरकार ने किसकी अध्यक्षता में कार्यदल बनाया है। सुनिता नारायण